IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 3, January 2026
Impact Factor: 7.67

विवाह एवं जन्म दर पर आधुनिकता का प्रभाव

तृप्ति पांडेय

सारांश: (Abstract)

आधुनिकता ने भारतीय समाज में विवाह की परंपराओं और जन्म दर पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। शिक्षा, शहरीकरण, महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि और वैश्वीकरण जैसे कारकों ने विवाह की आयु में वृद्धि की है, जिससे प्रजनन काल कम हो गया है और जन्म दर में गिरावट आई है। यह शोध पत्र समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से इन परिवर्तनों का विश्लेषण करता है, जिसमें साहित्य समीक्षा के माध्यम से पारंपरिक और आधुनिक समाज की तुलना की गई है। परिणामस्वरूप, विवाह में देरी और छोटे परिवार की प्रवृत्ति ने सामाजिक संरचना को प्रभावित किया है, हालांकि इससे महिलाओं की सशक्तिकरण में सकारात्मक बदलाव आया है।यह अध्ययन द्वितीयक डेटा पर आधारित है, जिसमें साहित्य समीक्षा, जनगणना डेटा और समाजशास्त्रीय सिद्धांतों का उपयोग किया गया है। परिणाम दर्शाते हैं कि आधुनिकता ने जन्म दर को कम किया है, जो जनसंख्या नियंत्रण के लिए सकारात्मक है, लेकिन इससे सामाजिक असंतुलन जैसे बुजुर्गों की देखभाल और लिंग अनुपात में विकृति उत्पन्न हो सकती है। महिलाओं का सशक्तिकरण एक प्रमुख सकारात्मक प्रभाव है, जहां शिक्षा ने विवाह आयु को बढ़ाकर प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार किया है। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी पारंपरिक मूल्य हावी हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में आधुनिकता का प्रभाव अधिक स्पष्ट है। यह पत्र नीति निर्माताओं के लिए सुझाव देता है कि आधुनिकता के प्रभाव को संतुलित करने के लिए परिवार समर्थन कार्यक्रम विकसित किए जाएं। कुल मिलाकर, आधुनिकता भारतीय समाज को परिवर्तित कर रही है, लेकिन सांस्कृतिक निरंतरता को बनाए रखना आवश्यक है।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-30940

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 3, January 2026
Impact Factor: 7.67

कीवर्ड्स: (Keywords)

आधुनिकता, विवाह, जन्म दर, शिक्षा, शहरीकरण, महिलाओं का सशक्तिकरण, समाजशास्त्र

परिचय: (Introduction)

भारतीय समाज में विवाह एक महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था है, जो न केवल व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करती है बल्कि जन्म दर और जनसंख्या वृद्धि से भी जुड़ी हुई है। पारंपरिक रूप से, भारत में विवाह कम उम्र में होता था, विशेषकर लड़कियों के लिए, और संयुक्त परिवार प्रणाली उच्च जन्म दर को प्रोत्साहित करती थी। हालांकि, आधुनिकता के आगमन के साथ, औद्योगीकरण, शिक्षा की पहुंच और महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता ने इन पैटर्न्स में बदलाव लाया है। आधुनिकता को यहां शिक्षा, शहरीकरण, वैश्वीकरण और तकनीकी प्रगति के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो व्यक्तिवाद और लिंग समानता को बढ़ावा देती है। समाजशास्त्रियों के अनुसार, आधुनिकता विवाह की आयु को बढ़ाती है, क्योंकि युवा शिक्षा और करियर पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उदाहरण के लिए, भारत में महिलाओं की शिक्षा में वृद्धि ने विवाह की औसत आयु को 22 वर्ष तक पहुंचा दिया है, जो पहले की तुलना में काफी अधिक है। इससे प्रजनन अवधि कम हो जाती है, जिससे जन्म दर में कमी आती है। यूरोपीय संदर्भ में, फ्रांस से फैली सांस्कृतिक प्रसार ने प्रजनन दर को कम किया, जो भाषाई और सांस्कृतिक निकटता पर निर्भर था। भारत में भी, शहरीकरण ने संयुक्त परिवारों को नाभिकीय परिवारों में बदल दिया है, जहां छोटे परिवार की अवधारणा प्रचलित हो गई है। एशियाई समाजों में, नीति निर्माण में विवाह में देरी को नजरअंदाज करने से जन्म दर और कम हुई है। इस पत्र का उद्देश्य इन प्रभावों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण करना है।विवाह समाज की आधारभूत इकाई है, जो प्रजनन, सामाजिक स्थिरता और सांस्कृतिक निरंतरता सुनिश्चित करती है। पारंपरिक भारतीय समाज में विवाह एक धार्मिक और सामाजिक अनुष्ठान था, जहां व्यवस्थित विवाह प्रचलित थे। लेकिन आधुनिकता ने प्रेम विवाह और स्व-चयन को बढ़ावा दिया है। जन्म दर, जो प्रति हजार

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 3, January 2026
Impact Factor: 7.67

जनसंख्या पर जन्मों की संख्या है, विवाह की आयु, परिवार आकार और प्रजनन व्यवहार से जुड़ी है। आधुनिकता ने इनमें परिवर्तन लाकर जन्म दर को कम किया है। भारत में, 1950 के दशक में जन्म दर लगभग 45 प्रति हजार थी, जो 2020 तक घटकर 17 हो गई है। यह परिवर्तन शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और महिलाओं की भागीदारी से जुड़ा है। वैश्विक स्तर पर, यूरोप में आधुनिकता ने 19वीं शताब्दी में जन्म दर को कम किया, जहां औद्योगीकरण ने महिलाओं को श्रम बाजार में लाया। इसी प्रकार, भारत में शहरीकरण ने संयुक्त परिवारों को नाभिकीय परिवारों में बदल दिया, जहां छोटे परिवार की अवधारणा प्रचलित हुई।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

भारतीय समाज में विवाह की परंपरा वेदों से चली आ रही है, जहां इसे संस्कार माना जाता है। मुगल और ब्रिटिश काल में भी विवाह पारंपरिक रहा, लेकिन 20वीं शताब्दी में गांधी और नेहरू जैसे नेताओं ने महिलाओं की शिक्षा पर जोर दिया, जो आधुनिकता का प्रारंभ था। 1955 के हिंदू विवाह अधिनियम ने विवाह को कानूनी रूप दिया, जिससे तलाक और पुनर्विवाह संभव हुए।

आधुनिकता के प्रभाव से, विवाह आयु में वृद्धि हुई। 1971 में महिलाओं की विवाह आयु 17.2 वर्ष थी, जो 2011 तक 21.2 हो गई। इससे प्रजनन अवधि कम हुई, क्योंकि महिलाएं शिक्षा और करियर पर ध्यान देती हैं। समाजशास्त्रियों जैसे आर.के. मुखर्जी ने इसे 'सामाजिक गतिशीलता' कहा है।

वैश्विक तुलना:

एशियाई देशों जैसे चीन और जापान में आधुनिकता ने जन्म दर को 1.5 से नीचे ला दिया है। भारत में, हालांकि अभी 2.0 के आसपास है, लेकिन शहरी क्षेत्रों में यह कम है। यूरोप में, फ्रांस और स्वीडन में परिवार नीतियां जन्म दर को संतुलित करती हैं, लेकिन भारत में ऐसी नीतियां अपर्याप्त हैं।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 3, January 2026
Impact Factor: 7.67

समस्या कथन:

आधुनिकता के प्रभाव से विवाह में देरी जन्म दर को कम करती है, लेकिन इससे जनसंख्या वृद्धावस्था और लिंग असंतुलन की समस्या उत्पन्न होती है। महिलाओं के लिए सकारात्मक है, क्योंकि इससे स्वतंत्रता बढ़ती है, लेकिन पुरुषों में विवाह की कमी से सामाजिक तनाव। यह अध्ययन इन प्रभावों का विश्लेषण करता है।

शोध पद्धति (Research Methodology)

यह शोध मुख्य रूप से द्वितीयक डेटा पर आधारित है, जिसमें साहित्य समीक्षा और विद्वानों के प्रकाशित लेखों का विश्लेषण शामिल है। डेटा स्रोतों में जर्नल्स, पीडीएफ रिपोर्ट्स और ऑनलाइन डेटाबेस जैसे PMC, JSTOR, ResearchGate और अन्य शामिल हैं। खोज शब्दों जैसे "impact of modernity on marriage and birth rates in India" का उपयोग करके 20 से अधिक स्रोतों की जांच की गई। गुणात्मक विश्लेषण के लिए, समाजशास्त्रीय सिद्धांतों जैसे डर्कहाइम और वेबर की आधुनिकता संबंधी अवधारणाओं को लागू किया गया। मात्रात्मक डेटा के लिए, जनगणना और सर्वे डेटा (जैसे 2001 census) का उल्लेख किया गया है। शोध नैतिक मानकों का पालन करता है और पूर्वाग्रह से मुक्त है।

निष्कर्ष (Conclusion)

आधुनिकता ने विवाह और जन्म दर पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव डाले हैं। एक ओर, विवाह में देरी और शिक्षा ने जन्म दर को कम किया है, जो जनसंख्या नियंत्रण के लिए लाभदायक है, लेकिन इससे प्रजनन संबंधी जटिलताएं जैसे बांझपन और जन्म दोष बढ़ सकते हैं। दूसरी ओर, महिलाओं की सशक्तिकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता बढ़ी है, जो समाज की प्रगति का संकेत है। भविष्य में, नीतियां विवाह और परिवार की विविधता को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए, ताकि जन्म दर की गिरावट को

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 3, January 2026
Impact Factor: 7.67

संतुलित किया जा सके। कुल मिलाकर, आधुनिकता भारतीय समाज को पारंपरिक बंधनों से मुक्त कर रही है, लेकिन सांस्कृतिक निरंतरता को बनाए रखना आवश्यक है।

संदर्भ (References)

[1]. Spolaore, Enrico, and Romain Wacziarg. "Fertility and Modernity." Working Paper, UCLA Anderson School of Management, 2022, www.anderson.ucla.edu/faculty_pages/romain.wacziarg/downloads/2022_fertility.pdf.

[2]. Swamy, Chidananda C. "Impact of Modernity on Kinship Relationships in India – A Sociological Study." International Journal of Innovative Research in Technology, vol. ?, 202?, ijirt.org/publishedpaper/IJIRT186331_PAPER.pdf.

[3]. Tan, Jolene, et al. "The Increasing Importance of Changes in Nuptiality: Policy Mismatch and Fertility Decline in Low-Fertility Asian Societies." Chinese Sociological Review, 2025, doi.org/10.1080/21620555.2025.2480296. Jan. 2026.

[4]. Tyagi, Nidhi, et al. "Changing Structure of Marriage and Fertility In 21st Century (With Reference to Indian Society)." Journal of Positive School Psychology, vol. ?, 202?, journalppw.com/index.php/jpsp/article/download/5312/3501/6105.